भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †5213

सोमवार, 4 अप्रैल, 2022/14 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में गंडिकोटा का विकास

†5213. श्री केसिनेनी श्रीनिवासः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि आंध्र प्रदेश के गंडिकोटा को "इंडियन ग्रैंड कैन्यन" कहा जाता है और यदि हां, तो इसे एक संवहनीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं/किए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि गंडिकोटा एक साहसिक खेल केंद्र के रूप में विकसित हो गया है यदि हां, तो जनता की सुरक्षा और ऐसे कार्यकलापों की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं/किए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार गंडिकोटा के समीप 12वीं शताब्दी के दो मंदिरों, माधवराय स्वामी मंदिर और रघुनाथ स्वामी मंदिर के अस्तित्व से अवगत है और यदि हां, तो इन ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं/किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): जी हाँ, महोदय। पर्यटन मंत्रालय इस बात से अवगत है कि 'गंडिकोटा' आंध्र प्रदेश में स्थित महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से एक है।

पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना विकास हेतु 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने "भारतीय साहसिक पर्यटन दिशानिर्देश (संस्करण 2.0)" के संशोधित दिशानिर्देश तैयार किये हैं जिसमे साहसिक पर्यटन गतिविधियों से संबंधित भूमि, वायु और जल सहित 31 कार्यक्षेत्र शामिल हैं और उन्हें राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को अनुपालनार्थ अग्रेषित किया गया है।

(ग): ऐतिहासिक स्मारकों आदि के संरक्षण से संबंधित कार्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किये जाते हैं, जिसने सूचित किया है कि 'किले के साथ लगी प्राचीन इमारतें, माधवपेरुमल मंदिर और मदरसला के नाम से जाना जाने वाला टॉवर, गंडिकोटा, वाईएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश' अमरावती सर्कल के अधिकार क्षेत्र में एएसआई का केंद्रीय रूप से संरक्षित स्मारक है। एएसआई, अमरावती सर्कल इस प्राचीन स्मारक के रखरखाव और संरक्षण के लिए नियमित रूप से समुचित उपाय कर रहा है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2022-23 में माधवराय मंदिर और रंगनायकुला मंदिर, गंडिकोटा किला, वाईएसआर कडपा, आंध्र प्रदेश के लिए वार्षिक संरक्षण कार्यक्रम (एसीपी)/व्यापक संरक्षण कार्य का प्रावधान है।

****